केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 63 बुधवार 25 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

83 हजार हड़प लेने के मामले में मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी पुलिस ने धोखाधड़ी कर पैसा हड़पने के मामले में केस दर्ज किया है। नगर पंचायत गायघाट निवासी कुलभूषण मोदनवाल ने तहरीर में बताया है कि गत सात फरवरी की सुबह करीब साढ़े दस बजे 83 हजार 815 रुपये एक प्राइवेट बैंक में नियुक्त कर्मी को ऑनलाइन एप से भुगतान किया। यह रकम खाते में लोन के पैसे को क्लोज करने के लिए दिया गया था। कर्मी ने दोबारा लोन देने के लिए कहकर पैसा जमा कराया था, बाद में धोखाधड़ी कर पैसा खुद ले लिया। पुलिस ने आरोपी निगम साहनी निवासी कुशीनगर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

किशोरी की करंट से मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया थानाक्षेत्र के वार्ड नंबर–4 गौतमबुद्ध नगर में करंट की चपेट में आने से एक किशोरी की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार घटना की जानकारी मिली है।

प्रकरण में मृतका के पिता ने लिखित तहरीर देकर अवगत कराया है कि बेटी संग हुए हादसे के संबंध में वह कोई पुलिस कार्रवाई नहीं चाहते हैं। हम लोगों ने अपने धर्म के अनुसार पंचनामा बना लिया है। नगर पंचायत हर्रैया के गौतम बुद्धनगर निवासी मोहम्मद नसीम ने बताया कि उनकी बेटी सानिया 16 वर्ष की थी।

बताया जा रहा है कि घर में टेबल फैन में उतर रहे करंट के संपर्क में आने से सानिया को करंट लग गया, जिससे उसकी जान चली गई। उसकी मौत पर परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल था। घटना की जानकारी पुलिस को हुई। लेकिन परिजनों ने पुलिस कार्रवाई की आवश्यकता से इंकार किया। थाना प्रभारी तहसीदार सिंह ने बताया कि करंट लगने से किशोरी की मौत की सूचना मिली थी।

चार सफाईकर्मियों को नोटिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्वच्छता ही सेवा पखवारा के तहत गावों में साफ–सफाई न करने पर एडीओ पंचायत ने चार सफाई कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एडीओ पंचायत विरेंद्र तिवारी ने बताया कि क्षेत्र की ग्राम पंचायत बहेरिया का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि वहां तैनात सफाई कर्मी जितेंद्र चौधरी, जालसाराम, सुमन देवी व नरेंद्र कुमार बिना किसी साफ–सफाई उपकरण के खड़े पाए गए। गांव में जगह–जगह कूड़े का ढेर लगा था।

इस लापरवाही को देखते हुए एडीओ पंचायत ने चारो सफाईकर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर स्पष्टीरकण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अन्यथा की दशा में चारों के खिलाफ कारवाई की जाएगी।

रेप का आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज पुलिस ने रेप के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कार्यालय के अनुसार रेप, मारपीट व अन्य धाराओं में आरोपी गौर थानाक्षेत्र के रहने वाले श्रवण कुमार यादव को टीम ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में अपराध निरीक्षक राजेश विश्वकर्मा, एसआई सुरेश कुशवाहा, कांस्टेबल यशवंत यादव, पंकज कुमार सिंह व अर्चना सिंह शामिल रहे।

दशहरा से पहले गड्ढा मुक्त होंगी सड़कें मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को दिया निर्देश

लखनऊ (आभा)। आने वाले त्योहारों को देखते हुए उत्तर प्रदेश में सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को निर्देश दिया है। दशहरा से पहले 10 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाने को कहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों से यह भी कहा कि जब तक राजमार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण न हो जाए, तब तक 'टोल टैक्स' की वसूली नहीं की जाए। मंगलवार को सीएम योगी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

सीएम योगी ने निर्देश दिया कि शारदीय नवरात्रि, दशहरा और दीपावली आदि त्योहारों के दृष्टिगत प्रदेश की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए जारी विशेष अभियान 10 अक्टूबर तक सम्पन्न कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि पर्व व त्योहारों पर प्रदेश में आवागमन सामान्य की अपेक्षा अधिक होता है और बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी आते हैं। उन्होंने कहा कि हर एक आदमी के लिए सड़क पर चलना सुखद अनुभव वाला हो, यह सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने अच्छी गुणवत्ता के साथ सड़कों की मरम्मत का निर्देश भी दिया।

मुख्यमंत्री ने मंडी परिषद को निर्देश देते हुए कहा कि किसान सड़कों के सबसे बड़ा उपभोक्ता हैं और उनकी सुविधाओं का खास ध्यान रखा जाए। बयान के अनुसार योगी ने एनएचएआई के अधिकारियों से कहा कि जब तक राजमार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो जाए तब तक टोल टैक्स की वसूली नहीं की जाए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सड़कों के लिए बजट का कोई अभाव नहीं है और आवश्यकता इस बात की है कि सभी विभाग बेहतर नियोजन करें। उन्होंने सभी विभागों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सड़क बनाने वाली एजेंसी या ठेकेदार सड़क बनने के बाद अगले पांच वर्ष तक उसके अनुरक्षण की जिम्मेदारी भी उठाएगा। उन्होंने जोर दिया कि इस बारे में नियम–शर्ते स्पष्ट रूप से उल्लिखित हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर सीवर लाइन तथा पाइपलाइन आदि डालने के बाद ठीक ढंग से मरम्मत की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सांसद तथा विधायक निधि के अंतर्गत बनी सड़कों की मरम्मत के लिए कार्य योजना तैयार करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ग्राम सचिवालयों की अवधारणा को केंद्र सरकार ने मॉडल के रूप में स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि ग्राम सचिवालयों की तर्ज पर गन्ना समिति के कार्यालयों को अपग्रेड किया जाए।

उन्होंने हिदायत दी कि मंडियों में कैंटीन के माध्यम से किसानों को कम कीमत में भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी, स्ट्रीट लाइट तथा साफ–सफाई आदि सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में नगर पंचायत, नगर निगम तथा नगर पालिका परिषदों में महत्वपूर्ण स्थानों पर स्मार्ट रोडकी अवधारणा को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शहरीकरण का निरंतर विस्तार हो रहा है, ऐसे में अवैध कालोनियों को किसी भी दशा में विकसित होने की अनुमति नहीं दी जाए।

तीन कृषि कानूनों को फिर से लागू करे सरकार-कंगना रनौत

नई दिल्ली (आभा)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत ने मांग की है कि उन 3 कृषि कानूनों को दोबारा लाना चाहिए जिन्हें केंद्र सरकार ने भारी विरोध के बाद वापस ले लिया था। कंगना ने कहा कि तीनों कानून किसानों के हित में थे और उन्हें खुद इसे वापस लाने की मांग करनी चाहिए। अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाली कंगना ने कहा है कि हो सकता है कि उनकी इस बात पर विवाद हो, लेकिन इसे लागू करना चाहिए।

कंगना ने मंडी के नाचन विधानसभा में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और सदस्यता अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए रनौत ने जो कुछ कहा उस पर एक बार फिर विवाद हो सकता है, जिसकी शुरुआत कांग्रेस के विरोध के साथ हो चुका है। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी ने कंगना रनौत के बयान पर आपत्ति जताई है।

कांग्रेस ने एक्स पर कहा, 'किसानों पर लादे गए 3 काले कानून वापस लाने चाहिए। भाजपा की सांसद कंगना रनौत ने यह बात कही। देश के 750 से ज्यादा किसान शहीद हुए, तब जाकर मोदी सरकार की नींद टूटी और ये काले कानून वापस हुए। अब भाजपा के सांसद फिर से इन कानून की वापसी का प्लान बना रहे हैं। कांग्रेस किसानों के साथ है। इन काले कानून की वापसी अब कभी नहीं होगी, चाहे नरेंद्र मोदी और उनके सांसद जितना जोर लगा लें।

कंगना रनौत ने मीडिया से बातचीत के दौरान अपना जुड़ाव किसान परिवार से बताया। उन्होंने कहा, 'किसानों के जो कानून हैं, जो वापस हो गए हैं, मुझे लगता है वे फिर से लगने चाहिए। हो सकता है यह विवादित हो जाए, लेकिन मुझे लगता है कि किसानों के हितकारी कानून वापस आने चाहिए और किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए। ताकि हमारे किसान, जैसे बाकी जगह समृद्धि हो रही है, किसानों की समृद्धि में ब्रेक नहीं लगना चाहिए।

शिकायतों का प्रभावी ढंग से निस्तारण करें अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विभिन्न विभागों के प्रगति का समीक्षा किया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सी, डी व ई रैंक वाले विभाग प्रगति में अपेक्षित सुधार लाना सुनिश्चित करें। आईजीआरएस संदर्भों के निस्तारण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि डिफाल्टर व असंसतुष्टि पर विशेष ध्यान दिया जाए। शिकायतों का निस्तारण इस तरह से किया जाए कि असंतुष्ट श्रेणी के संदर्भों की संख्या न्यून से न्यूनतम रहे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आईजीआरएस के अंतर्गत प्राप्त होने वाले संदर्भों को समयबद्धता के साथ निस्तारित करें जिससे कोई भी प्रकरण डिफाल्टर की श्रेणी में न रहे। जिलाधिकारी ने पुलिस, राजस्व, विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस के प्राप्त शिकायतों का मौका मुआयना करके गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करें और यह सुनिश्चित करें कि फरियादी निस्तारण से संतुष्ट हों।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान, मुख्य चिकित्साधिकारी आर0एस0 दूबे, डीडीओ अजय सिंह, पीडीए राजेश कुमार, उपजिलाधिकारी रूधौली शाहिद अहमद, सदर शत्रुघ्न पाठक, हर्रैया विनोद पाण्डेय, भानपुर आशुतोष तिवारी, ईडीएम सौरभ द्विवेदी, डीपीआरओ रतन कुमार सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सर्विस रोडों के मरम्मत का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने एनएचआई के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाईवे पर पड़ने वाले अवैध कटों एवं डिवाइडर पर लगे पेड़ –पौधों की छंटाई का कार्य यथाशीघ्र करायें, जिससे दुर्घटना की संभावनाओं को रोका जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सर्विस रोड का मरम्मत कार्य कराकर शीघ्रातिशीघ्र अवगत कराया जाए।

बैठक में एआरटीओ पंकज सिंह ने बताया कि स्कूल के नाम से पंजीकृत वाहनों में 912 के सापेक्ष 216 के फिटनेस अभी अवशेष हैं। जिलाधिकारी द्वारा बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि यह सुनिश्चित करें कि सभी वाहनों का फिटनेस यथाशीघ्र करा लिया जाए, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान, मुख्य चिकित्साधिकारी आर0एस0 दूबे, डीडीओ अजय सिंह, पीडीए राजेश कुमार, उपजिलाधिकारी रूधौली शाहिद अहमद, सदर शत्रुघ्न पाठक, हर्रैया विनोद पाण्डेय, भानपुर आशुतोष तिवारी, बीएसए अनूप तिवारी, अधिशासी अभियन्ता पीडब्लूडी अवधेश कुमार सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

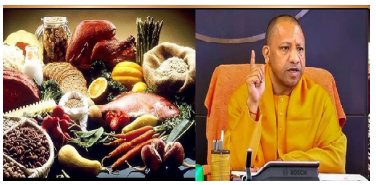

मादक पदार्थों के तस्करों, अफीम, गाजा माफियाओं के विरूद्ध होगी कड़ी कार्रवाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में नारको–आर्डिनेशन सेन्टर की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत की गयी। इसमें मादक पदार्थों की तस्करी, जिले में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र, ड्रग्स जांच उपकरण सहित अन्य बिन्दुओं पर गहन समीक्षा किया गया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निरन्तर सतर्कता बरतने तथा अफीम व गांजा माफियाओं के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि उनके बड़े सप्लायरों के बारे में भी जानकारी ली जाए तथा ड्रग्स का प्रयोग करने वालों को सुधार के लिए पुनर्वास केन्द्र भिजवायें।

बैठक का संचालन जिला आबकारी अधिकारी राजेश तिवारी ने किया। उन्होंने बताया कि 25 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक नशा मुक्ति भारत अभियान चलाया जायेगा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस, अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान, मुख्य चिकित्साधिकारी आर0एस0 दूबे, डीडीओ अजय सिंह, पीडीए राजेश कुमार, उपजिलाधिकारी रूधौली शाहिद अहमद, सदर शत्रुघ्न पाठक, हर्रैया विनोद पाण्डेय, भानपुर आशुतोष तिवारी, बीएसए अनूप तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हरिनी अमरसूर्या ने लिया श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री पद की शपथ

कोलम्बो (आभा)। हरिनी अमरसूर्या ने मंगलवार को श्रीलंका की नई प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। इसके साथ ही वह वर्ष 2000 में सिरीमावो भंडारनायके के बाद इस पद पर आसीन होने वाली दूसरी महिला नेता बन गई हैं। 'नेशनल पीपुल्स पावर' (एनपीपी) की 54 वर्षीय नेता अमरसूर्या को राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने शपथ दिलाई। दिसानायके ने स्वयं सहित चार सदस्यों का मंत्रिमंडल नियुक्त किया है। अमरसूर्या को न्याय, शिक्षा, श्रम, उद्योग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य तथा निवेश मंत्रालयों का कार्यभार सौंपा गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने का स्थान लिया है, जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

एनपीपी सांसदों – विजिता हेराथ और लक्ष्मण निपुर्णाच्ची ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। वे संसद भंग होने के बाद कार्यवाहक कैबिनेट मंत्री के रूप में काम करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि संसदीय चुनाव नवंबर के अंत में हो सकते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद 56 वर्षीय दिसानायके ने रविवार को श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी।

6 मार्च, 1970 को जन्मी हरिनी अमरसूर्या एनपीपी की सांसद हैं और श्रीलंका की 16वीं प्रधानमंत्री हैं। इस पद पर पहुंचने वाली वह तीसरी महिला हैं। इनसे पहले सिरीमावो भंडारनायके और चंद्रिका कुमारतुंगा पीएम बन चुकी हैं। अमरसूर्या लगभग 25 वर्षों बाद देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। भंडारनायके का तीसरा और अंतिम कार्यकाल नवंबर 1994 से अगस्त 2000 तक था। अमरसूर्या 2020 में एनपीपी के जरिए संसद सदस्य बनीं।वह पेशे से एक यूनिवर्सिटी प्रोफेसर और एक एक्टिविस्ट रही हैं। उनकी शैक्षणिक योग्यता में समाजशास्त्र में बीए (ऑनर्स), मानव विज्ञान और विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर और सामाजिक नृविज्ञान में पीएचडी है। उन्होंने एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट की है। श्रीलंका संसद की वेबसाइट से पता चलता है कि नौवीं संसद (2020–2024) में वह 269 दिन उपस्थित रहीं और 120 दिन अनुपस्थित रहीं। अमरसूर्या श्रीलंका में प्रधानमंत्री बनने वाले पहले शिक्षाविद हैं।

खाने–पीने के सामानों में मिलावट पर योगी सरकार सख्त: लिखना होगा संचालकों का नाम

लखनऊ (आभा)। खाने–पीने की चीजों में थूकने, यूरिन मिलाने की घटनाओं के बीच यूपी में ढाबा–रेस्तरां को लेकर योगी सरकार ने सख्त्त रुख अपना लिया है। सीएम योगी ने खाने–पीने की चीजों में मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने कहा कि हर ढाबा और रेस्तरां पर मालिक और संचालकों के नाम लिखे जाएं। कर्मचारी मास्क लगाए और सीसीटीवी भी लगाया जाए। अधिकारियों को मॉनीटरिंग के निर्देश दिए हैं। प्रदेश भर में होटलों, ढाबों, रेस्ट्टोरेंट की सघन जांच और वेरिफिकेशन कराया जाएगा।

सीएम योगी ने एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश के सभी होटलों/ढाबों/रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच अभियान, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान–पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/ गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किया जा सकते। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं।

नोएडा के पास गरजेंगे लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (आभा)। फ्रांसीसी विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने भारतीय वायु सेना के राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों की रखरखाव और मरम्मत के लिए एक नया कारखाना स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह कारखाना नोएडा के पास बनाया जाएगी और अगले छह महीनों में इसके संचालन की उम्मीद है। इस नई कंपनी का नाम डसॉल्ट एविएशन मेंटेनेंस रिपेयर और ओवरहाल इंडिया रखा गया है। कंपनी के सीईओ के रूप में डसॉल्ट के अनुभवी अधिकारी पोसिना वेंकट राव नियुक्त किए गए हैं।भारतीय वायु सेना के पास वर्तमान में 36 राफेल और लगभग 50 मिराज 2000 विमानों का बेड़ा है। ये विमान तकनीकी क्षमता के साथ–साथ रणनीतिक भूमिका में भी महत्वपूर्ण हैं। राफेल और मिराज 2000 दोनों अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं। ये किसी भी संघर्ष के समय दुश्मनों के खिलाफ बेहद प्रभावी साबित होते हैं। इन विमानों ने भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बीईओ ने गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों, अमान्य कक्षाओं को बंद कराया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया विजय आनंद के नेतृत्व में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने के लिए मंगलवार को अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत चार विद्यालय गैर मान्यता के संचालित पाए गए जिनको नोटिस चस्पा कर बंद कराया गया तथा पांच विद्यालय में मान्यता के इतर कक्षाएं संचालित होती पाई गई उनको तत्काल बंद कराया गया। बीईओ ने कहा कि बंद किए गए । विद्यालयों के बच्चे निकटतम परिषदीय विद्यालयों में अपना प्रवेश लें साथ ही निकट के परिषदीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक को गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के बच्चों की सूची सौंपकर प्रवेश के लिए निर्देशित किया।

खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि यदि विद्यालय बंद कराने के बावजूद भविष्य में पुनः संचालित पाया गया तो एक लाख का जुर्माना लगाते हुए एफआईआर की कार्यवाही की जाएगी। जिसके लिए संबंधित विद्यालय का संचालक जिम्मेदार होगा। बीईओ ने कहा कि गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और यदि कोई विद्यालय संचालित पाया गया तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

गैर मान्यता प्राप्त बंद कराए गए विद्यालयों में लाल बहादुर शास्त्री चिल्ड्रन एकेडमी नारायनपुर मिश्र, सीआरडी पब्लिक स्कूल साधूगंज, आदर्श शिक्षण संस्थान रामगढ़, द एलीट स्कूल ऑफ साइंस रामगढ़ को बंद कराया गया। जबकि पांच विद्यालय ऐसे मिले जहां मान्यता वाली कक्षाओं के अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की जा रही थी उन कक्षाओं को भी तत्काल बंद कराया गया। गैर मान्यता प्राप्त कार्यवाही में एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उदय प्रताप सिंह, संदीप सिंह, सुनील बौद्ध, सुनील कुमार, राजेश कुमार शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 सितम्बर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

अश्लील फिल्मे, समाज और न्यायपालिका

सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर साबित किया कि उसे सुप्रीम क्यों कहा जाता है। सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए कोर्ट ने साफ कर दिया कि बच्चों से जुड़ी अश्लील फिल्मों को डाउनलोड करना, स्टोर करना, देखना व प्रसारित करना पॉक्सो व आईटी एक्ट के अंतर्गत अपराध है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच के सदस्यों न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला व न्यायमूर्ति मनोज मिश्र ने देश को साफ संदेश दे दिया कि बच्चों पर बने अश्लील कंटेंट की स्टोरेज करना, डिलीट न करना तथा इसकी शिकायत न करना, इस बात का संकेत है कि उसे प्रसारित करने की नीयत से स्टोर किया गया है। साथ ही मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया, जिसमें कहा गया था ऐसे कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना अपराध नहीं है, जब तक कि इसे प्रसारित करने की नीयत न हो। शीर्ष अदालत ने उस फैसले को रद्द करके केस वापस सेशन कोर्ट को भेज दिया। इतना ही नहीं शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द को हटाकर इसकी जगह चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लोएटेटिव एवं एब्यूसिव मैटेरियल शब्द का प्रयोग किया जाए। कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह अध्यादेश लाकर इसमें बदलाव करे। यहां तक कि अदालतें भी इस शब्द का प्रयोग न करें। साथ ही पॉक्सो एक्ट में इस शब्द को लेकर बदलाव किया जाए। कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसले में दलील दी कि नया शब्द ठीक से बताएगा कि यह महज अश्लील सामग्री ही नहीं है, बच्चे के साथ हुई वीभत्स घटना का एक रिकॉर्ड भी है। वह घटना जिसमें बच्चे का यौन शोषण हुआ है। या फिर ऐसे शोषण को वीडियो में दर्शाया गया है। अदालत ने गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि यौन शोषण के बाद पीड़ित बच्चों के वीडियो, फोटोग्राफ और रिकॉर्डिंग के जरिये शोषण की शृंखला आगे चलती है। दुर्भाग्य से यह सामग्री इंटरनेट पर मौजूद रहती है।

दरअसल, कोर्ट ने व्याख्या की कि ऐसी सामग्री से बच्चों का निरंतर भयादोहन किया जाता है। यह सामग्री लंबे समय तक बच्चों को नुकसान पहुंचाती है। जब इस तरह की सामग्री प्रसारित की जाती है तो पीड़ित बच्चे की मर्यादा का बार—बार उल्लंघन होता है। मौलिक अधिकारों का हनन होता है। समाज के एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमारी भूमिका ऐसी यौन कुंठित मानसिकता का प्रतिकार करने की होनी चाहिए। यह कृत्य समाज में नैतिक पतन की पराकाष्ठा को भी दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष सितंबर माह में केरल हाईकोर्ट ने भी अपने एक फैसले में अश्लील फोटो—वीडियो देखने को अपराध नहीं माना था। लेकिन इसे प्रसारित करने को गैरकानूनी माना था। इसी फैसले के आलोक में मद्रास हाईकोर्ट ने एक आरोपी को अपराधमुक्त किया था। इस फैसले के खिलाफ फरीदाबाद के स्वयं सेवी संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस और बाल अधिकारों के लिये सक्रिय नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित संगठन बचपन बचाओ आंदोलन ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर करके कोर्ट का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर खींचा था। इन संगठनों का मानना था कि मद्रास हाइकोर्ट के फैसले से लोगों में कानून का भय खत्म हो जाएगा और चाइल्ड पोर्नोग्राफी को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारत में सूचना प्रौद्योगिकी एक्ट 2000, आईपीसी तथा पॉक्सो एक्ट के तरह अश्लील वीडियो बनाने व प्रसारित करने पर जेल व जुर्माने का प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि अब बच्चों की यौनिकता के वीडियो देखने वाले मोबाइल यूजर्स को जेल की हवा खानी पड़ सकती है। यदि कोई व्यक्ति मोबाइल, लैपटॉप या अन्य डिवाइस पर बच्चों के अश्लील वीडियो देखता है या उसे डाउनलोड करता है तो उस व्यक्ति को सजा मिल सकती है। देखने वाले ऑनलाइन मोड से पकड़े जाएंगे। ऐसा करने वाले व्यक्ति के आईपी एड्रेस से उसकी लोकेशन को ट्रैक किया जा सकता है। इसके अलावा मोबाइल के आईएमईआई नंबर तथा टेलिकॉम प्रोवाइडर के सहयोग से आरोपी को तलाशा जा सकता है। निश्चय ही सुप्रीम कोर्ट की पहल सराहनीय है लेकिन इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की भरमार को देखते हुए किशोरों को शिक्षित करके उन्हें परिपक्व व जिम्मेदार नागरिक बनाने का भी प्रयास किया जाना चाहिए।

अंत्योदय से समृद्ध होगा देश

—डॉ. सौरभ मालवीय—

देश की समृद्धि के लिए अंत्योदय अत्यंत आवश्यक है। अंत्योदय का अर्थ है— समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय। दूसरे शब्दों में— समाज के सबसे निचले स्तर के लोगों का विकास करना ही अंत्योदय है। अंत्योदय के बिना देश उन्नति नहीं कर सकता, क्योंकि जब तक देश के अति निर्धन वर्ग का उत्थान नहीं होता, तब तक वह मुख्यधारा में सम्मिलित नहीं हो सकता। ऐसी स्थिति में देश भी समृद्ध नहीं हो पाएगा। इसलिए अंत्योदय आवश्यक है।

जनसंघ के संस्थापक दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय का नारा दिया था। अंत्योदय उनका सपना था। वे कहते थे कि आर्थिक योजनाओं तथा आर्थिक प्रगति का माप समाज के ऊपर की सीढ़ी पर पहुंचे हुए व्यक्ति नहीं, बल्कि सबसे नीचे के स्तर पर विद्यमान व्यक्ति से होगा। अंत्योदय के माध्यम से केवल भारत ही नहीं, अपितु समग्र विश्व का विकास हो सकता है। इसके सुनियोजित योजना एवं उत्तरदायित्व आवश्यक है। विश्व के बहुत से विकसित राष्ट्र हालांकि किसी भी योजना के बिना ही वर्तमान आर्थिक विकास की दर प्राप्त करने में सफल रहे हैं, जिससे कुछ लोगों को यह अनुभव हो रहा है कि योजनाएं न केवल अनावश्यक हैं, अपितु निहायत अवांछनीय भी हैं। इसके बावजूद आम सहमति इस बात पर भी है कि यदि अविकसित राष्ट्र थोड़े समय में वही हासिल करना चाहते हैं, जो विकसित देशों ने लगभग एक शताब्दी में प्राप्त किया है तो विकास को अपनी प्राकृतिक गति पर नहीं छोड़ा जा सकता। विकास की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भी एक प्रयास करना पड़ेगा और यह प्रयास नियोजित ढंग से होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 सितंबर, 2014 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 98वीं जयंती के अवसर पर अंत्योदय दिवस की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का प्रकाश पहुंचाना है, ताकि वे भी प्रगति करके समाज की मुख्यधारा में सम्मिलित हो सकें। आर्थिक उन्नति के साथ—साथ यह दिवस समाज में व्याप्त असमानताओं के उन्मूलन के लिए कार्य करने की प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त यह दिवस विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रचार—प्रसार को बढ़ावा देता है, जिससे निर्धनों एवं वंचित वर्गों के लोगों को उनके कल्याण के लिए संचालित की जा रही योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके तथा वे इसका लाभ उठा सकें। सरकार इन वर्गों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। दीनदयाल अंत्योदय योजना के कई घटक हैं, जिन्हें अलग—अलग समय पर प्रारंभ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 सितंबर, 2014 को दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना भी प्रारंभ की। इसका उद्देश्य निर्धन ग्रामीण युवाओं को नौकरियों में नियमित रूप से न्यूनतम पारिश्रमिक के समान या उससे अधिक मासिक पारिश्रमिक प्रदान करना है। यह योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लिए की क्रियान्वित की जा रही है। इससे पूर्व 24 सितंबर, 2013 को राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन प्रारंभ किया गया था। इसके अंतर्गत शहरी निर्धनों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने एवं उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने पर ध्यान दिया जाता है। इससे पूर्व 25 सितंबर, 2004 को दीनदयाल अंत्योदय उपचार योजना प्रारंभ की गई थी। इस योजना के अंतर्गत निर्धन रोगियों को एंबुलेंस की सुविधा प्रदान की जाती है।

उल्लेखनीय है कि सरकार अंत्योदय अन्न योजना संचालित कर रही है। यह योजना 25 दिसंबर 2000 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा प्रारंभ की गई थी। इसे केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय द्वारा लागू किया गया था। इसका उद्देश्य सार्वजनिक वितरण परमाली द्वारा देश के सबसे निर्धन लोगों को रियायती दरों पर भोजन उपलब्ध करवाना है। इस योजना के अंतर्गत निर्धन परिवारों को 35 किलो राशन प्रदान किया जाता है। इसमें 20 किलो गेहूं और 15 किलो चावल सम्मिलित होता है। इसके अंतर्गत गेहूं तीन रुपये प्रति किलोग्राम और चावल दो रुपये प्रति किलोग्राम की दर से दिया जाता है। इसे सबसे पहले राजस्थान में लागू किया गया था। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि कच्ची नौकरियों में निर्धन परिवारों के युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें वे परिवार सम्मिलित हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है। कोरोना काल से यह राशन निरुशुल्क कर दिया गया है।

भारतीय जनता पार्टी की केंद्र एवं राज्य सरकारें अंत्योदय के सिद्धांत को लेकर शासन कर रही हैं। भाजपा के अनुसार एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन पार्टी के मार्गदर्शक सिद्धांतों में से एक है। इस सिद्धांत को हम सबका साथ सबका विकास के साथ मिला हुआ देख सकते हैं जो गरीब, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार द्वारा तय की गई नीतियों में भी नजर आता है।

दीनदयाल जी और उनकी आर्थिक नीतियों ने हमेशा गरीबों की भलाई पर जोर देने की बात की है। उनके आर्थिक विचार में पंक्ति के अंतिम पड़ाव पर खड़ा व्यक्ति शामिल रहा है। उन्होंने कहा था कि'आर्थिक नीति निर्धारण और प्रगति की सफलता का पैमाना यह नहीं है कि समाज के सबसे शीर्ष पर मौजूद व्यक्ति को उससे कितना फायदा मिल रहा है बल्कि यह है कि समाज पर जो लोग सबसे नीचे हैं उन्हें उन नीतियों का कितना फायदा मिला है। अंत्योदय का मतलब समाज के सबसे निचले स्तर पर मौजूद व्यक्ति का कल्याण है। उन्होंने यह भी कहा था कि यह हमारी सोच और हमारे सिद्धांत हैं कि ये गरीब और अशिक्षित लोग हमारे ईश्वर हैं, यही हमारा सामाजिक और मानवीय धर्म है।

उनके इसी अंत्योदय के विचार से प्रेरित होकर केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मौजूद एनडीए सरकार और तमाम प्रदेशों में शासन करने वाली भाजपा सरकारें अंत्योदय के रास्ते पर बढ़ने की ओर अग्रसर हैं तथा गरीब, ग्रामीण एवं किसानों के लिए और समाज के सबसे शोषित वर्ग से आने वाले युवाओं और महिलाओं के कल्याण की ओर प्रतिबद्ध हैं। गरीब को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करते हुए औसत जीवन स्तर में बढ़ोतरी हुई है। मुद्रा, जनधन, उज्जवला, स्वच्छता मिशन, शौचालयों का निर्माण, दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना, आवास योजना, सस्ती दवाएं और इलाज, इन सभी योजनाओं पर कार्य को आगे बढ़ा दिया गया है।

तकनीक के प्रयोग से कृषि में सुधार किया जा रहा है एवं किसानों की आय दुगनी करने के इरादे से सिंचाई तकनीकों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। केंद्रीय बजट की सहायता से गांवों में भी कई निवेश किए जा रहे हैं। दीनदयाल जी के विचारों से प्रेरित बीजेपी सरकार देश के संसाधनों का उपयोग केवल देश की उन्नति के लिए करने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए यह सरकार भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने, काले धन को रोकने और जनता की कमाई की लूट रोकने के लिए कड़े कदम उठा रही है। एक भारत—श्रेष्ठ भारत का रास्ता गरीबी दूर करके ही मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में अंत्योदय व सेवा के संकल्प को पूर्ण कर विकसित भारत के निर्माण के लिए भाजपा प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि मां भारती की सेवा में जीवनपर्यंत समर्पित रहे अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

वास्तव में दीनदयाल अंत्योदय योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि करती है। इसके अंतर्गत कृषि और गैर—कृषि दोनों प्रकार की आजीविकाओं में सहायता मिलती है। इससे महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए सहायता मिलती है। महिला स्वयं सहायता समूहों को उनकी आजीविका बढ़ाने में सहायता मिलती है। इसके अंतर्गत महिलाओं को बैंकिंग संवाददाता सखियों के रूप में प्रशिक्षण दिया जाता है।

(लेखक —लखनऊ विश्वविधालय में एसोसिएट प्रोफेसर है।)

जड़ता को श्रम से ललकारता मनुष्य

—संजीव ठाकुर—

जब जब मनुष्य ने जड़ता को ललकारा है तब तब परिवर्तन ने दस्तक दी है,और प्रत्येक परिवर्तन अपने साथ—साथ बड़े तथा महान अवसर लेकर आया है। इस अवसर का जिसने भी सदुपयोग कर लाभ उठाया है और अपने अनुकूल बनाने का ऊर्जा के साथ प्रयास किया है वह विश्व विजेता बनने में सक्षम हुआ है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने जिस ष्आई हैव ए ड्रीम ष्की कल्पना की थी वह जीवन के नए अवसर की कल्पना थी। महात्मा गांधी जी ने भी जिस स्वराज की कल्पना अपने मन में की थी वह भी उसी नए अवसर की खोज में उसकी तरफ छेड़ा गया एक अभियान था और बराक ओबामा ने भी कहा था ष्यस यी कैनष् ने भी बड़े परिवर्तन को सच्चाई के अवसर की तलाश थी। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भी मनुष्य से देवत्व की यात्रा का वर्णन किया था वह भी परिवर्तन के मुख्य द्वार से होकर गुजरता था .जीवन की संपूर्ण यात्रा में व्यक्ति को अपने जीवन में संघर्ष करना पड़ता है और तमाम कठिनाइयों को तोड़कर आगे की ओर अग्रसर होना पड़ता है। अवसर के मार्ग को खोलकर बड़ी विजय की महायात्रा प्राप्त हो सकती है। मूलतः परिवर्तन जीवन की एक मूलभूत विशेषता और एक जरूरी सत्य है बल्कि बेहतर कल तथा विकास के प्रत्येक सपने का हल भी होता है। परिवर्तन में अवसर तलाशने की यात्रा का अस्तित्व ही एक विजय गीत का गान है।

परिवर्तन की इस महाप्रक्रिया का साइकल स्वयं इस बात का साक्ष्य है की परिवर्तन खुद ही नवीनता की एक बड़ी खोज है और परिवर्तन का सीधा अर्थ है जड़ता का नाश है। जो हमारी पुरानी परंपराएं जड़ तथा जंगम हो चुकी हैं या जो स्वयं को नई परिस्थितियों के अनुसार ढाल पाने में सक्षम नहीं है उसका अंत ही परिवर्तन का प्रस्थान बिंदु होता है और इसका अंत एक बड़े शून्य को जन्म देता है और यह नवीन तथा प्राचीनता के बीच की एक समन्वय की कड़ी होती हैं। और इसमें वह सारे और अवसर निहित होते हैं जिनका चयन ही भविष्य की बुनियाद तय करता है और इस शून्य के काल में किया गया प्रयत्न और प्रयास भविष्य के बड़े भाग्य को तय करता है और किसी समय चक्र के बार—बार परिवर्तन को ही जीवन की संज्ञा दी गई है। गीता में कृष्ण ने इस परिवर्तन वह उसमें अंतर्निहित मौके की तलाश करने का संकेत दिया है। मानवीय इतिहास में भी यदि नजर दौड़ाई तो पहला परिवर्तन 1215 में नागरिक अधिकार पत्र यानी मैग्नाकार्टा की प्राप्ति हुई थी। 12वीं और 13वीं सदी का समय सामंती प्रथा व क्रूरता से भरा समय था जहां मनुष्य एक साधन मात्र था। और उसी समय जब सदियों से भरी जनता को ललकारते हुए परिवर्तन का महत्व तथा सपना मनुष्य के दिमाग में पैदा हुआ,परिवर्तन की इस घड़ी ने एक अवसर को जन्म दिया था और उसी अवसर का उपयोग करते हुए मानव को नागरिक अधिकार पत्र प्रदान किया था। अब मनुष्य स्वयं का कर्ताधर्ता था और उसी नागरिक अधिकार पत्र में किए उल्लेख का परिणाम है कि आज हर समाज को सभ्यता का प्रमाण उसी अधिकार पत्र के आधार पर दिया जाता है। बीसवीं सदी ने जड़ता पर चोट की, मशीनों के शोर, हथियारों की होड़ के बीच कैलिफोर्निया क्रांति ने विश्व को सूचना प्रौद्योगिकी का उपहार दिया था। इस बड़े परिवर्तन ने संपूर्ण मानव समाज को एक बड़ा अवसर प्रदान किया पूरी कार्यप्रणाली को सरल बनाने और संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाने का उपहार भी दिया था। यह तो तय है कि जब जब जनता ने समाज की गति को रोकने का प्रयास किया तब मानवीय उद्यम और साहस ने उसे चुनौती दी और नए नए अवसरों की तलाश कर उसका नवीन परिवर्तन का सकारात्मक उपयोग किया। एक प्रसिद्ध कहावत है परिवर्तन के अलावा कुछ भी स्थाई नहीं है यह प्रकृति का एक स्थाई और व्यवस्था जनक है कि परिवर्तनशील होना जिवंतता और संघर्ष का प्रमाण है। जिस व्यक्ति, समाज तथा देश में स्थायित्व जाता है वह विकास के विरुद्ध होने लगता है। परिवर्तन सदैव धीरे—धीरे होते हैं यह अचानक नहीं होते प्राकृतिक व्यवस्था अनुसार हर परिवर्तन का एक बड़ा उद्देश्य होता है हर परिवर्तन अपने साथ एक बड़ा अवसर लेकर आता है यह अवसर नवीन लक्ष्यों के आपूर्ति का और उद्देश्य की ओर बढ़ती आकांक्षा को नवीन सृष्टि के निर्माण को संभव बनाने का प्रयास होता है। परिवर्तन का चक्र स्वयं इस बात का प्रमाण है कि परिवर्तन स्वयं की नवीनता का एक बड़ा स्रोत है। बढ़ती जनसंख्या के लिए उत्पादन की ना तो मात्रा पूरी हो पा रही थी और नाही उत्पादन उसकी गति में भी विराम लग गया था। व्यक्ति, समाज तथा देश के पास पूंजी होने के बावजूद उसके उपयोग का ना तो सामर्थ्य था नहीं उतनी बौद्धिक क्षमता,उसी क्षण विचारों ने परिवर्तन लाना शुरू किया मानव की बुद्धि ने एक बड़ा परिवर्तन लाकर मशीनों का इजाद किया फल स्वरूप कार्य करने की गति को अवसर मिला इस अवसर के साथ उत्पादन में भी वृद्धि हुई। मानव समाज ने इस परिवर्तन तथा नए अवसर की खोज के साथ नई नई वस्तुओं का अंबार लगा और संपूर्ण विश्व में औद्योगिक क्रांति का उदय हुआ। यही औद्योगिक क्रांति विश्व के लिए विकास की नई गाथा है और सफलता के साथ एक नए युग का परिवर्तन भी हुआ है। स्थायित्व के विरुद्ध नए अवसर की तलाश थी मनुष्य के जीवन के नवीन पायदानओं का आगाज करती है और जीवन परिवर्तनशील होकर नए युग की ओर प्रशस्त होता है। मनुष्य के जीवन में प्रगति विकास और परिवर्तन ही जीवन का असली गुंजन है, और यही विकास यात्रा की ओर मनुष्य, समाज तथा देश को अग्रसर करता है।

परिवर्तन की इस महाप्रक्रिया का साइकल स्वयं इस बात का साक्ष्य है की परिवर्तन खुद ही नवीनता की एक बड़ी खोज है और परिवर्तन का सीधा अर्थ है जड़ता का नाश है। जो हमारी पुरानी परंपराएं जड़ तथा जंगम हो चुकी है या जो स्वयं को नई परिस्थितियों के अनुसार ढाल पाने में सक्षम नहीं है उसका अंत ही परिवर्तन का प्रस्थान बिंदु होता है और इसका अंत एक बड़े शून्य को जन्म देता है और यह नवीन तथा प्राचीनता के बीच की एक समन्वय की कड़ी होती हैं।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और सुरक्षा

—ऋतुपर्ण दवे—

संचार क्रांति के दौर में दुनिया रोजाना नई—नई तकनीकों से रूबरू हो रही है। मोबाइल, जीपीएस, इंटरनेट व बिना ड्राइवर की गाड़ियां इस तकनीकी विकास का परिणाम है। अब कृत्रिम मेधा यानी एआई के इस युग में 1950 के जमाने में न्यूयॉर्क से निकले पेजर, 74 वर्ष बाद पहली बार और एक साथ सीरियल ब्लास्ट में तब्दील हो जाएंगे, भला किसने सोचा था? रेडियो फ्रिक्वेंसी पर चलने वाले पेजर का क्रेज अब न के बराबर है। लेकिन किसी पकड़ या सुराग के लिहाज से बेहद सुरक्षित पेजर का उपयोग आतंकी गतिविधियों में जरूर थोक में होने लगा। इसमें न जीपीएस होता है और न ही कोई आईपी एड्रेस, इसलिए लोकेशन ट्रेस होने का सवाल ही नहीं। इसका नंबर भी बदला जा सकता है। इसीलिए इसका पता लगाना आसान नहीं होता। बस इसी के चलते एक बड़े षड्यंत्र के तहत लेबनान में हर दो शख्स विस्फोट का शिकार हुआ जो साजिश के पेजर रखे हुए था।

चिन्ता की बात यह कि मामला पेजर तक नहीं रुका बल्कि रेडियो वॉकी—टॉकी जैसे दूसरी कम्युनिकेशन डिवाइस, यहां तक कि घरों में लगे सोलर सिस्टम, भी फटने की बातें सामने आईं। धमाकों का शक इस्राइल पर जताया जा रहा है। इन विस्फोटों को लेकर पूरी दुनिया हैरान है। इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव और बढ़ गया है। पूरे मिडल ईस्ट में युद्ध के खतरे की स्थिति बन चुकी है। वायरलेस उपकरणों में सीरियल विस्फोटों के बाद कई घरों, दुकानों व वाहनों में भी आग लग गई। एक तरह से पूरा क्षेत्र विस्फोटों की जद में आ गया। वहां अब लोग इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को लेकर डरे हुए हैं।

हर कोई हैरान है कि पेजर जैसा साधारण उपकरण बम में कैसे बदल गया? इसको लेकर पुख्ता तौर पर तो अभी किसी तरह की जानकारी सामने नहीं आयी है। लेकिन विस्फोट को लेकर तरह—तरह के कयास जरूर लग रहे हैं। मसलन पेजर में लगी लीथियम बैटरी शक के दायरे में है जो अत्यधिक गर्म होने पर फट सकती है। लेकिन इस थ्योरी पर भी ज्यादा भरोसा नहीं है। वहीं दूसरी दमदार आशंका 'साजिश के पेजरों' को बनाने के वक्त ही इनमें विस्फोटक छुपाने की है जिससे सप्लायर अनजान हो? यकीनन साजिश बहुत बड़ी रही जिसको लेकर किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

बैटरियों में खराबी या गुणवत्ता की कमी के चलते मोबाइल में विस्फोट तो हो जाते हैं। लेकिन एक तयशुदा वक्त पर रेडियो फ्रिक्वेंसी आधारित छोटे से उपकरण में सीरियल ब्लास्ट का ट्रिगर दबना—दबाना हैरान कर रहा है। क्या किसी कोडिंग से ऐसा हो पाया? या वजह कुछ और है? ऐसी तमाम बातों की पर्तों को खुलने में वक्त लगेगा। आखिर ऐसी कौन—सी रासायनिक शृंखला प्रतिक्रिया को अंजाम दिया गया जो अलग—अलग और काफी दूर—दूर तक ट्रिगर में बदल गई?

हैकर ने ट्रिगरिंग सिग्नल भेजने के लिए कौन—सा तरीका अपनाया? फिलहाल केवल कयास हैं। रेडियो नेटवर्क से संचालित पेजर पर ऐसा कौन—सा सिग्नल भेजा गया जो बैटरियां गर्म हुईं और इतनी कि कथित तौर पर साथ रखे घातक विस्फोटक फटे। यहां एक सच जरूर है कि कुछ महीने पहले थोक में खरीदे पेजर ही फटे। ऐसे में उनमें खतरनाक ज्वलनशील विस्फोटक को छुपाने की थ्योरी जरूर बनती है। सच के लिए इतजार करना होगा। लेकिन एक सवाल हर किसी के दिमाग में कौंधने लगा है कि अब मोबाइल या दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कितने सुरक्षित हैं?

कभी लिंक क्लिक करने से खाते खाली होना तो कभी हैक हो जाना, कभी क्लोनिंग के जरिये पूरा डेटा चुरा लेना जैसी घटनाओं को लेकर दुनिया भर में साइबर सिक्योरिटी पर न केवल जोर है बल्कि पूरी गंभीरता है।

बरुआर गैंग के दो इनामी बदमाश मुठभेड़ में घायल, कई गंभीर मामलों में थे वांछित

संवाददाता—कुशीनगर। पुलिस ने मंगलवार की तड़के हाटा कोतवाली क्षेत्र के हाटा—महुआडीह रोड पर पटनी पुलिया के पास मुठभेड़ में टप्पेबाजी और चोरी करने वाले बरुआर गैंग के दो इनामिया शातिर चोर को घायल कर दबोच लिया। घायल शातिर चोरों को पुलिस ने मेडिकल कॉलेज भेजवाया है।

एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि सोमवार की भोर में हाटा कोतवाली, अहिरौली बाजार थाने की पुलिस व स्वाट टीम हाटा—महुआडीह रोड पर ग्राम पटनी पुलिया के पास घेराबंदी कर चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक बाइक आते दिखी। पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया तो बाइक पर सवार व्यक्तियों ने कुछ दुर पहले रुककर लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान मारने की नियत से फायर झोंक दिया।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस टीम की ओर से फायरिंग की गई, जिसमें वह घायल हो गए। घायलों की पहचान राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम मुडाडीहा थाना धानेपुर जिला गोण्डा व हरिश्चन्द्र बरुवार निवासी ग्राम बल्दुपुरवा थाना धानेपुर जिला गोण्डा के रूप में हुई है। उनके कब्जे से दो देसी तमंचा, दो फायर शुदा खोखा कारतूस, दो मोबाइल फोन, अपराध में प्रयुक्त बिना नम्बर की बाइक व 25 हजार रुपया नकद बरामद हुआ है। एसपी ने बताया कि दोनों शातिर चोरों पर 25—25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस मुठभेड़ कर टप्पेबाजी और चोरी की घटनाओं में शामिल बरुआर गैंग के दो इनामिया शातिर चोरों को गिरफ्तार करने वाली टीम में हाटा इंस्पेक्टर सुशील कुमार शुक्ला, अहिरौली बाजार के एसओ रवि कुमार राय, स्वाट टीम के प्रभारी आलोक यादव शामिल रहे।

मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए शातिर अपराधियों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। इसमें राजेन्द्र प्रसाद पर 12 तो हरिश्चंद्र बरुआर के खिलाफ नौ मुकदमें दर्ज हैं। राजेन्द्र पर गुंडा एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है और उस पर हत्या के प्रयास, चोरी, धोखाधड़ी करने, लूट व आर्म्स एक्ट आदि के मामलों में महराजगंज, देवरिया, बस्ती व हाटा कोतवाली में केस दर्ज है।

वहीं, हरिश्चंद्र बरुआर के खिलाफ भी गैंगस्टर की कार्रवाई की जा चुकी है। उस पर चोरी, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, बेईमानी से धन हड़पने आदि के मामलों में भी बस्ती, गोंडा, चित्रकूट व हाटा कोतवाली में केस दर्ज है।

कानून व्यवस्था के विरोध में सपाइयों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा विधानसभा के सपाइयों ने मंगलवार को प्रदेश के कानून व्यवस्था को लचर बताते हुए प्रदर्शन किया। कस्बे के गांधी चौक से तहसील मुख्यालय तक जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए पहुंचे सपाइयों ने राज्यपाल को संबोधित 17 सूत्री ज्ञापन तहसील प्रशासन को सौंपा। इस दौरान प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। प्रदेश सरकार की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए सपा कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। प्रदेश में महिलाओं के साथ बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज पूरे प्रदेश में अन्याय, अत्याचार व भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। फर्जी एनकाउंटर का आरोप मढ़ते हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि विशेष अधिकारियों व कर्मचारियों की महत्वपूर्ण जगहों पर तैनाती हो रही है। अयोध्या में दलित बेटी के मामले में 50 लाख रुपये आर्थिक सहायता देने, जंगली जानवरों से बचाने के लिए जंगल के किनारे तार लगाने, नगर पंचायत सोनौली में अनियमितता की उच्च स्तरीय जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई। इस प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव, विधानसभा अध्यक्ष नौतनवा विक्रम यादव, जिला उपाध्यक्ष राजू दुबे, प्रणव गौतम, लल्ला यादव, बैजू यादव, रामशीष यादव, शमसुद्दीन अली, रामसिंह यादव, बन्ने, बबलू यादव, अमित यादव, भोला चौधरी, मंजूर अंसारी, इंद्रभान यादव, इस्तेखार अली, बाबूराम गौतम, रंजीत यादव, अमित जायसवाल, अनिल यादव सहित बड़ी संख्या में सपाई मौजूद रहे।

केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री ने छात्रों के साथ किया संवाद, व्यापारियों की समस्या सुनी

संवाददाता—महराजगंज। सेवा समर्पण पखवारा के तहत सिसवा विधानसभा के ग्राम पंचायत टीकर स्थित जमुना प्रसाद शंभू प्रसाद इंटर कॉलेज में केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी पहुंचे। कार्यक्रमों में भाग लिया तथा छात्र—छात्राओं के साथ संवाद स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने मारवाड़ी धर्मशाला निचलौल में व्यापारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। निचलौल के विष्णु मंदिर परिसर में पौधरोपण किया। इटहिया मंडल के शिव धाम इटहिया मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत सफाई कर लोगों को जागरूक किया। धमऊर ग्राम सभा में ग्रामीणों के साथ बैठक करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने पार्टी सदस्यता अभियान में भाग लिया। इसके अलावा जहदा मंडल के कैमा ग्राम सभा में भी बैठक और सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। सिसवा में रामजानकी मंदिर धर्मशाला में जनता, पदाधिकारियों और व्यापारियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें पंकज चौधरी ने भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा की और लोगों से इसमें भागीदारी करने का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसानों, छात्रों और जवानों के हितों को प्राथमिकता देती है। उन्होंने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि इससे नई पीढ़ी को एक सही दिशा मिलेगी। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें किसान सम्मान निधि योजना एक बड़ी पहल है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने लोगों से भाजपा से जुड़ने की अपील की। मोबाइल के माध्यम से भाजपा की सदस्यता भी कराई। इस अवसर पर प्रबंधक संध्या त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, शिवनाथ मद्धेशिया, अजय कुमार श्रीवास्तव, संतोष सिंह, जितेंद्र पाल सिंह, कौशल किशोर पाण्डेय, शैलेश पाण्डेय, गिरधारी गुप्ता, अनिल गुप्ता, सुनील मद्धेशिया, दुर्गा अग्रहरि, अभिषेक पाण्डेय, गौतम चौधरी, राजन पटेल, दीपक चौधरी, गिरिजेश जायसवाल, दयाशंकर सिंह, अश्वनी सिंह, गोविंद जायसवाल, प्रह्लाद पटेल और विपिन सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भटनी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को दिया गया कॉटन बैग

संवाददाता—देवरिया। वेस्ट मैटेरियल से बने बैग का रेलवे के कर्मचारियों ने भटनी रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शनी लगाया। कर्मचारियों ने प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए जागरुक किया। यात्रियों को कर्मचारियों ने निःशुल्क कॉटन का थैली का वितरण किया। भटनी रेलवे स्टेशन पर अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी सामान बनाया गए समानों की प्रदर्शनी लगाया गया। स्टेशन पर आने जाने वाले यात्री रुक कर इसे देख रहे थे। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत भटनी रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन यात्रियों को जागरुक करने के लिए वहां के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक अमित कुमार मिश्र के नेतृत्व में अलग अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के छठवें और सातवें दिन रिड्यूज,रियूज और रिसाइकल अभियान के तहत प्लास्टिक वेस्ट से कई प्रकार के फूल,पेन होल्डर,कुर्सियां और छोटे छोटे अलमारियां बनाई गईं। जिनको देखने के लिए यात्रियों की भीड़ लगी थी। श्री मिश्रा ने बताया कि ये प्रदर्शनी वेस्ट टू आर्ट के अंतर्गत बेकार पड़ी चीजों को पुनः प्रयोग करके उपयोगी समान बनाने के लिए आयोजित किया गया है। बायो कम्पोस्टिंग मशीन से निकली खादों को यात्रियों को गमलों और किचन गार्डन में उपयोग करने के लिए निःशुल्क बांटे गए। यात्रियों को कॉटन बैग भी निःशुल्क दिए गए। मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक की टीम द्वारा यात्रियों को जागरुक किया कि प्लास्टिक के बैग के जगह कपड़े के बने बैग उपयोग कर पर्यावरण को संरक्षित करने का काम करें। स्टेशन पर आयोजित इन कार्यक्रमों में स्टेशन अधीक्षक मनोज पांडेय, अमियंता गंगा पांडेय,सिद्धेश्वर, रजत, संगीता, चन्दन,रवि सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

युवती ने छेड़छाड़ का विरोध किया तो सिरफिरे आशिक ने घोंप दिया चाकू, ग्रामीणों ने हाथ—पैर बांधकर की धुनाई

संवाददाता—महराजगंज। मंगलवार सुबह सिरफिरे आशिक ने एक युवती के साथ छेड़छाड़ करने लगा। जब युवती ने इसका विरोध किया तो युवक ने उसे चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवती के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने युवक को दौड़ाकर पकड़ लिया और हाथ—पैर बांधकर धुनाई कर दी। फिर पुलिस के हवाले कर दिया।

ये घटना घुघली क्षेत्र के एक गांव का है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह युवती कुछ जरूरी काम से बाहर निकली थई। इस बीच सिरफिरे युवक ने उसके साथ छेड़खानी शुरू कर दी। युवती ने इसका विरोध किया लेकिन एकतरफा प्यार में पड़े आशिक ने युवती को चाकू मारकर लहूलुहान कर दिया। युवती के चीखने पर ग्रामीणों ने युवक को 2 किलोमीटर दौड़ाकर पकड़ लिया। उसके हाथ पैर बांधकर जमकर धुनाई कर दी। उधर, युवती को लहूलुहान हाल में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद युवती की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि युवक और युवती एक ही गांव के रहने वाले हैं। घटना के समय युवती बगल वाले गांव अपने ननिहाल आई हुई थी। युवक कई दिनों से युवती के पीछे पड़ा था जबकि वह इसका लगातार विरोध कर रही रही थी। युवती काफी दिनों से अपने ननिहाल में ही रह रही है सूचना मिलने पर घुघली पुलिस भी युवक को हिरासत में लेकर थाने आ गई और आगे की कार्रवाई में जुट गई।

फसल अवशेष जलाने से रोकने को टीम गठित

संवाददाता—श्रावस्ती। फसल की मड़ाई कराने के बाद लोग खेतों में पराली व अन्य फसल के अवशेष जला देते हैं। इससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ा है जो कई बीमारियों का कारण बनता है। अवशेष जलाने से रोकने को टीम का गठन किया गया है। पराली जलाने से उत्पन्न हो रहे प्रदूषण की रोकथाम किए जनपद स्तर पर अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अनुश्रवण सेल का गठन किया गया है। इसके साथ ही तहसील स्तरीय, विकास खण्ड स्तर व ग्राम पंचायत स्तर पर सेल व उड़न दस्ता टीम का गठन किया गया है। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि तहसील स्तर पर गठित टीम में एसडीएम को अध्यक्ष नामित किया गया है तथा ब्लाक स्तर पर खण्ड विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। सचल दस्ता टीम में तहसील स्तर पर नामित नोडल अधिकारी तहसीलदार, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी व संबंधित क्षेत्र के थानाध्यक्ष होंगे। वहीं विकास खण्ड स्तर पर नायब तहसीलदार, कानूनगो व सहायक विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने तहसील स्तर पर गठित सचल दस्तो को निर्देशित किया है कि किसी भी स्थिति में धान की पराली व अन्य कृषि अपशिष्ट न जलाएं जायं। इसके लिए सभी लेखपाल व ग्राम प्रधानों को शामिल करते हुए ह्वाटसएप ग्रुप बनाया जाय। इसी ग्रुप पर पराली व कृषि अपशिष्ट जलाने की सूचना सचल दस्ते को दी जाएगी।

बारिश के लिए पूर्व चेयरमैन को बंधक बनाकर कीचड़ से नहलाया

संवाददाता—महराजगंज। बारिश न होने से दुखी महिलाओं ने मंगलवार को एक टोटका आजमाया। नौतनवा नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन गुड्डू खान के आवास पर बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं ने उन्हें बंधक बनाकर कीचड़ से नहलाया। महिलाओं का मानना है कि कस्बे या गांव के प्रमुख व्यक्ति को कीचड़ से नहलाने पर इंद्रदेव खुश होकर बारिश करते हैं। बारिश का मौसम आखरी पड़ाव पर है, फिर भी बारिश ना होने की वजह से जहां लोग गर्मी से बेहाल हैं तो वहीं किसानों की फसल की बर्बाद हो रही है। हालात तो ऐसे हो गए हैं कि अब नलों के पानी भी सूखने लगे हैं। लोगों की चिंताएं बढ़ रही हैं कि यदि कुछ दिन और बारिश नहीं हुई तो लोगों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी हो जाएगी। पूर्व चेयरमैन गुड्डू खान के आवास पर इसी टोटका को आजमाने महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंचीं। महिलाओं ने पूर्व में प्रचलित प्रथा को अपनाते हुए उनको कीचड़ से नहलाया। पूर्व चेयरमैन ने कहा कि वे महिलाओं की भावनाओं का सम्मान करते हैं और परमपिता परमेश्वर से यह दुआ मांगता है कि नगर की महिलाओं की मुराद पूरी करें। बारिश हो, जिससे लोगों को गर्मी से राहत व खेती का काम आसान हो सके।

इस दौरान किसमती देवी, जलीबुन निशा, गुजराती देवी, शांति देवी, नेमा देवी, सुदामा देवी, कमलावती देवी, शकुंतला देवी, साधना देवी, नूरजहां, माया देवी, सुंदरी देवी, सुनीता रानी, अकालबुन निशा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

महंत संजय दास ने व्यापारियों के साथ की बैठक, कहा—शुद्धता के साथ बने प्रसाद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। तिरुपति बालाजी में मंदिर के तरफ से भक्तों दिए जाने वाले लड्डू प्रसाद में पशु की चर्बी का समाचार पूरे भारत में जोर—जोर से चल रहा है और सरकारी उसकी जांच भी कर रही है लैब में जो लड्डू की जांच हुई उसमें पशु की चर्बी के घी की भी पुष्टि हो चुकी है लेकिन सरकार पुनः उसकी जांच कर रही है ऐसे में अपने—अपने राज्य में सरकारी मंदिरों में जो प्रसाद चढ़ रहे हैं उनकी जांच कर रही है लेकिन अयोध्या धाम में संत स्वयं जागरूक होकर के व्यापारियों को बुलाकर बैठक कर रहे हैं और शुद्धता गारंटी के साथ हो इसी बात व्यापारियों से समझ रहे हैं। बताते चलें कि अयोध्या में कई कुंतल लड्डू प्रतिदिन हनुमान जी को चढ़ाया जा रहे हैं और लड्डू में मिलावट को लेकर कई बार संत व्यापारियों को समझ चुके हैं और इसके लिए झड़प भी हो चुकी है।

अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष धर्म सम्राट ज्ञान दास जी महाराज के शिष्य संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास ने अपने आवास पर हनुमानगढ़ी से जुड़े व्यापारियों को बुलाया और कहा की हनुमान जी को जो भोग प्रसाद लड्डू के रूप में चढ़ता है उसमें किसी प्रकार की कोई कमी नहीं होनी चाहिए, किसी भी प्रकार की ऐसी कोई मिलावट न हो जिससे अयोध्या की छवि धूमिल हो और हनुमान जी महाराज को गलती से भी किसी त्याज्य वस्तु का सेवन कर दें। श्री महाराज जी ने बताया कि व्यापारियों को बुलाया गया और शुद्धता का पूर्ण ध्यान रखने के लिए कहा गया व्यापारियों ने आश्वासन दिया कि अयोध्या में तिरुपति बालाजी घटना नहीं घटेगी निश्चित ही हम लोग अयोध्या के गरिमा के अनुरूप प्रसाद बनाएंगे और इसमें कोई कमी नहीं निकलेगी।

हर पीड़ित को मिलेगी सरकारी मदद —सांसद

संवाददाता—गोण्डा। प्राकृतिक आपदा के इस घड़ी में बाढ़ पीड़ितों को सरकार हर प्रकार से मदद पहुंचाने का काम कर रही है। पहले बाढ़ से घिरे लोगों नाव के जरिए को घर—घर लंच पैकेट बांटा गया उसके बाद माझा के सभी प्रभावित गांवों मे राशन किट का वितरण किया जा रहा है। ये बातें सांसद कैसरगंज करण भूषण शरण सिंह ने तुलसीपुर माझा गांव मंगलवार सुबह पीड़ितों को राशन किट बांटने के दौरान कहीं। एसडीएम विशाल कुमार ने बताया की इसके पूर्व ब्यौंदा माझा, दत्तनगर, साकीपुर, गोकुला, जैतपुर, माझाराठ, दुल्लापुर में किट का वितरण तहसील प्रशासन की ओर से कराया गया है। शेष बचे गांवों में भी किट भेजा जा रही है। नायब तहसीलदार चंदन कुमार ने बताया की तुलसीपुर माझा में 530, तुरकौली गांव में 450 और बालापुर गांव में 600 राशन किट का वितरण कराया गया। उन्होंने कहा कि बाढ़ के हटने के बाद स्वास्थ्य कर्मियों को संक्रामक रोगों से बचाव के लिए लगाया गया है। इस दौरान सीओ तरबगंज विनय कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक परशुराम मिश्रा, लेखपाल ओपी वर्मा, प्रधानों में जय सिंह , लालजी सिंह, रिशु श्रीवास्तव, राहुल सिंह, विष्णु प्रताप सिंह, रिशु सिंह समेत तमाम बाढ़ पीड़ित मौजूद रहे। नवनिर्मित काली मन्दिर मे सांसद ने किया पूजन अर्चनरू तुलसीपुर माझा गांव के बलराज पट्टी मजरे मे नवनिर्मित काली मंदिर पर पहुंच कर वैदिक मंत्रोचारण के बीच मध्य नारियल फोड़कर मंदिर का उद्घाटन करने के पश्चात प्रतिमा का पूजन—अर्चन किया। इसके बाद भंडारे का प्रसाद भी ग्रहण किया। उन्होंने कहा की यह मंदिर पूरे गांव के लोगों के लिए शक्ति और आस्था का केन्द्र बनेगा। कार्यक्रम में चेयरमैन डॉ. सत्येन्द्र सिंह, अनिल सिंह, कलेवाज सिंह, राम प्रकाश सिंह, नवनीत सिंह, रामायन सिंह, विशाल सिंह, रामानुज सिंह समेत सैकडों ग्रामवासी मौजूद रहें।

भगवान कृष्ण की बाल लीला सुन भाव विभोर हुए भक्त

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्रीधाम अयोध्या के मणिराम दास छावनी प्राकृतिक चिकित्सालय में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस के सोपान में महामंडलेश्वर विजय रामदास भैया जी बल्लभगढ़ वाले महाराज ने भगवान कृष्ण बाल लीला, माखन चोरी व गोवर्धन पूजा की कथा का सुन्दर चित्रण सुनाया गया। भैया जी महाराज ने बताया कि भगवान की अच्युत लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणा दायक हैं। भगवान श्री कृष्ण ने बचपन में अनेक लीलाएं कीं। बाल कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी। मां उन्हें कहती थी कि प्रतिदिन तुम माखन चुरा के खाया करते हो तो वह तुरंत मुंह खोलकर मां को दिखा दिया करते थे कि मैंने माखन नहीं खाया। श्री महाराज जी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण अपनी सखाओं और गोप.ग्वालों के साथ गोवर्धन पर्वत पर गए थे। वहां पर गोपिकाएं 56 प्रकार का भोजन रखकर नाच गाने के साथ उत्सव मना रही थी।

महाराजजी ने बताया कि कृष्ण के पूछने पर उन्होंने बताया कि आज के ही दिन ब्रसासुर को मारने वाले तथा मेघों व देवों के स्वामी इंद्र का पूजन होता है। इसे इंद्रोज यज्ञ कहते हैं। इससे प्रसन्न होकर इन्द्र ब्रज में वर्षा करते हैं जिससे प्रचुर अन्न पैदा होता है। भगवान कृष्ण ने कहा कि इन्द्र में क्या शक्ति है। उनसे अधिक शक्तिशाली तो हमारा गोवर्धन पर्वत है। इसके कारण ही वर्षा होती है अतरू हमें इंद्र से बलवान गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए। बहुत विवाद

के बाद श्री कृष्ण की यह बात मानी गई और ब्रज में गोवर्धन पूजा की तैयारियां शुरू हो गई। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति सागर में मंत्रमुग्ध दिखे। आज की कथा में संकटमोचन हनुमान किला के महंत परशुराम दासजी महाराज के संयोजन में हनुमानगढ़ी के श्री महंत मुरली दास ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा अमृत कथा है यही कारण है कि अपने जीवन में एक बार निश्चित श्रवण करता है। संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास ने कहा की श्री अवध धाम में कथा श्रवण करने वाले बहुत पुण्य आत्मा होते हैं तब उन्हें अवध में कथा सुनने का अवसर मिलता है और बल्लभगढ़ वाले भैया जी श्रीमद भागवतकथा का अवध में श्रवण कर रहे हैं और यहां बैठ सुनने वाले अनुयाई निश्चित ही पुण्य आत्मा है तभी उन्हें अवध में कथा सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर हनुमानगढ़ी के पूर्व प्रधानमंत्री माधव दास, महंत बलराम दास सहित उपस्थित सभी संतों का स्वागत सम्मान भैया जी महाराज ने किया। कथा विश्राम बेला पर आरती उतारी गई प्रसाद वितरण किया गया।

तेंदुए ने किया हमला तो बछड़े ने नाला में कूदकर बचाई जान

संवाददाता—महराजगंज। तेंदुए ने महराजगंज तराई—ललिया मार्ग स्थित पहाड़ी खरझार नाला किनारे निराश्रित मवेशी पर पंजा मारा लेकिन वह जान बचाने के लिए नाला में कूद गया। तेंदुए ने मवेशी का पीछा किया तो चरवाहे आड़े आ गए। इसी थाना क्षेत्र के इंदवा गांव में घर के बाहर सो रहे अधेड़ ने टॉर्च की रोशनी में तेंदुआ देखकर शोर मचाया। महराजगंज तराई—महादेव गोसाई मार्ग स्थित पुल पर तेंदुआ देख आधा दर्जन लोग बाइक छोड़कर भाग निकले। गैसड़ी में हलौरा गांव के आसपास लगातार तेंदुआ दिखने से दहशत है। हलौरा में पिंजड़ा तो लगा है लेकिन तेंदुआ वहां तक नहीं जाता। ग्रामीणों ने पिंजड़े का स्थान बदलवाने की मांग की है। ललिया मार्ग स्थित पहाड़ी खरझार नाला किनारे रामदीन, दुलारे, मंशाराम, धनीराम, धनपत आदि मवेशियों को पानी पिलाने गए थे। वे पुल पर पहुंचे ही थे कि तेंदुआ उनके सामने खड़ा हो गया। वह दबे पांव पुल पर मौजूद बछड़े की ओर बढ़ रहा था। ग्रामीणों ने शोर किया तो तेंदुआ आक्रामक हो गया, तब तक बछड़ा भी सचेत हो गया था। तेंदुए ने बछड़े पर झपट्टा मारा तो लेकिन वह नाला में कूद गया। तेंदुए ने नीचे उतर कर बछड़े को पकड़ने की कोशिश तो ग्रामीण शोर मचाने लगे। हाथ से शिकार निकलने पर मायूस तेंदुआ झाड़ियों में गुम हो गया। इसी तरह विनोद सिंह, मुन्ना जायसवाल, संजय सिंह, डॉ. आरएन यादव व छोटू मिश्रा बाइक से महदेइया गांव जा रहे थे। शाम साढ़े पांच बजे उन्हें शिव मंदिर पुल पर तेंदुआ खड़ा दिखा। सभी लोग बाइक छोड़कर भाग निकले। शोर मचाने पर तेंदुआ मंदिर की ओर गया और झाड़ियों में छिप गया। इंदवा निवासी नानबाबू पांडेय बताते हैं कि वह घर के बाहर सोए थे।

सिटी मजिस्ट्रेट के छापे से कर्मचारियों में मचा हड़कंप

संवाददाता—गोण्डा। शहर के रानीपुरवा स्थित वित्त एवं लेखा अधिकारी बेसिक में मंगलवार सिटी मजिस्ट्रेट विजय शर्मा ने औचक छापा मारा। इससे कार्यालय के कर्मचारियों हड़कंप मच गया। सिटी मजिस्ट्रेट को देखते ही कार्यालय में टहल रहे लोगों की भीड़ मिनटों में गायब हो गई। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि मंडलायुक्त शशिभूषण लाल सुशील के निर्देश पर उन्होंने यह कार्रवाई की है। मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सिटी मजिस्ट्रेट अचानक वित्त लेखा अधिकारी बेसिक के कार्यालय पहुंचे। वित्त एवं लेखाधिकारी के कमरे पर लटकने ताले पर सबसे पहले उनकी नजर पड़ी। उन्होंने कार्यालय कर्मचारी को बुलाकर ताला खुलवाया और वित्त लेखा अधिकारी के कार्यालय आने और जाने के बारे में जानकारी ली। सिटी मजिस्ट्रेट ने कर्मचारियों के उपस्थिति पंजिका देखी। इसके बाद एक लेखाकार और दो लिपिक की उपस्थिति के बारे में पूछताछ की। उन्होंने एक—एक कर जनवरी से सितंबर तक हर महीने बिना सूचना के अनुपस्थिति देखी। इस संबंध में वह जरूरी कागजात अपने साथ ले गए हैं। उन्होंने बताया कि कार्यालय में एक कनिष्ठ लिपिक की अनुपस्थिति हर महीने नजर आई है। जुलाई में बिना सूचना के 12 दिन नदारद पाए गए हैं। जिनका मंगलवार को विगत कई महीने की उपस्थिति रजिस्टर पर कई दिनों में हस्ताक्षर नहीं मिला। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए रजिस्टर को हमेशा अपडेट रखने को कहा। सिटी मजिस्ट्रेट ने मौके पर मौजूद वित्त लेखा अधिकारी संजय चतुर्वेदी से कार्यालय में उपस्थिति के बारे में पूछते हुए रोस्टर बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही दफ्तर में अनियमितता और शिकायतों के निस्तारण में हो रही लापरवाही पर गहरी कड़ा रुख अपनाया। वित्त लेखाधिकारी संजय चतुर्वेदी को जिले के साथ अतिरिक्त विकास प्राधिकरण रायबरेली और वित्तीय शोध संस्थान लखनऊ का भी प्रभार मिला है। शिक्षकों ने बताया कि जुलाई महीने से वित्त लेखा अधिकारी का चेहरा कार्यालय पर नहीं दिखा है।

वाद निस्तारण में श्रावस्ती का प्रदेश में पहला स्थान

संवाददाता—श्रावस्ती, भू—राजस्व वादों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के मामले में शासन से जारी रैंक में श्रावस्ती को पूरे प्रदेश में पहला स्थान मिला है। माह सितंबर में शासन के निर्देश पर जारी राजस्व वादों के निस्तारण के बाद यह सूची जारी की गई है।

जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देश के अनुसार जनपद के न्यायालयों में लम्बित वादों के मामलों की शासन से नियमित रूप से मानिटरिंग होती है। समस्त न्यायालयों में लंबित व नए राजस्व वादों की नियमित समीक्षा व राजस्व वादों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों पर कार्यवाही की गई। जिसके फलस्वरूप राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रणाली यानि आरसीसीएमएस के पोर्टल पर सितंबर की प्रदेश स्तरीय जारी रैंकिंग में नए दायर वादों की संख्या के सापेक्ष वादों के निस्तारण में जनपद श्रावस्ती ने पहला स्थान प्राप्त किया है।

छात्रों ने निकाली एक किमी लंबी दंडवत यात्रा, छात्र संघ बहाली की मांग

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव कराए जाने की मांग को लेकर छात्रों ने मंगलवार को अनोखा तरीका अपनाया। इंदिरा बाल विहार से कुलपति कार्यालय तक करीब एक किलोमीटर तक दंडवत यात्रा निकाली। बड़ी संख्या में पहुंचे छात्रों ने कुलपति कार्यालय पर जमकर हंगामा किया। हंगामा शांत कराने गई कैंट पुलिस से भी धक्का–मुक्की की खबर है। पुलिस ने करीब आधा दर्जन छात्रों को हिरासत में लिया है।

बताते हैं कि पूर्वाह्न करीब 11 बजे डीडीयू और दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज समेत छात्र नेताओं ने इंदिरा बाल विहार से दंडवत यात्रा निकाली। यह यात्रा कुलपति कार्यालय पहुंची। वहां छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना के बाद एसपी सिटी समेत पुलिस अमला कुलपति कार्यालय पहुंचा। छात्रों को पुलिस ने शांत कराने की कोशिश की इसी दौरान किसी बात को लेकर छात्र भड़क उठे। मामला बिगड़ता देख आधा दर्जन छात्रों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद करीब डेढ़ बजे कुलपति कार्यालय खाली कराया।

ऑटो में छूटा बैग पाकर खिला युवक का चेहरा

संवाददाता–गोरखपुर। दिल्ली से आ रहे युवक का बैग गीडा क्षेत्र के नौसढ़ के पास ऑटो में छूट गया। शिकायत के बाद सहजनवा पुलिस ने युवक को मंगलवार सौंप दिया। बैग पाकर युवक का चेहरा खिल उठा। जानकारी के मुताबिक, देवरिया जिले के निवासी सुधीर कुमार दिल्ली में कार्य करते हैं। सुधीर की ससुराल बेलघाट क्षेत्र के शंकरपुर में हैं। 22 सितंबर को दिल्ली से गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे और ऑटो में बैठ गए। नौसढ़ के पास ऑटो से भाड़ा देकर नीचे उतरे तब तक ऑटो चालक गाड़ी लेकर चला गया और एक बैग आटो में छूट गया। पीड़ित ने आईटीएमएस पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद सक्रिय हुई पुलिस ने ऑटो मालिक का पता खोजी तो वह सहजनवा निवासी एक व्यक्ति का निकला। ऑटो मालिक के घर पुलिस पहुंची तो बताया गया कि ऑटो सीहापार निवासी राम प्रसिद्ध चलाते है। इसके बाद पुलिस चालक के घर पहुंची तो चालक ने बैग अपने पास सुरक्षित रखा था और पुलिस को दिखा दिया। मंगलवार को एसओ विशाल उपाध्याय की मौजूदगी में चालक राम प्रसिद्ध ने पीड़ित सुधीर को बैग वापस कर दिया।

इलाज से ठीक होती टीबी, लापरवाही से बढ़ती जटिलताएं

संवाददाता–गोरखपुर। क्षय रोग (टीबी) का समय से पहचान हो जाने पर आसानी से इलाज हो जाता है। पहचान न होने पर यह गंभीर रूप ले लेती है। जो लोग बीच में दवा बंद कर देते या फिर दवाओं के सेवन में अनियमितता रखते उनमें जटिलताएं बढ़ जाती हैं। वह ड्रग रेसिस्टेंट टीबी के मरीज बन जाते हैं। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत यह संदेश जिले के दर्जनों प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) जवानों को विकास भवन में मंगलवार को आयोजित संवेदीकरण कार्यशाला में दिया गया। सभी जवानों से अपील की गई कि वह समाज में जागरूकता पैदा कर नये टीबी मरीजों को खोजने में मदद करें। जवानों को टीबी के लक्षणों, उपचार और राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के सभी पक्षों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ गणेश यादव और जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के अधिकारी अमित कुमार सिंह की मौजूदगी में प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वह टीबी उन्मूलन में सहयोग प्रदान करेंगे।

इस मौके पर जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के अधिकारी अमित कुमार सिंह ने आश्वस्त किया कि टीबी उन्मूलन का संदेश जन–जन तक पहुंचाया जाएगा। जिले में कार्यरत करीब 600 से अधिक पीआरडी जवानों को प्रशिक्षित व जागरूक करेंगे। उनकी मदद से टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाएगा।

कार में रंगरेलियां मना रहे एक युवती के साथ दो युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कार में रंगरेलियां मनाने की 48 घंटे के अंदर दूसरी घटना पकड़ी गई है। पहले एक युवती के साथ छह युवकों को पकड़ा गया था। अब कार में रंगरेलियां मना रहे एक युवती के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। कार में रंगरेलियां मनाने की 48 घंटे के अंदर दूसरी घटना पकड़ी गई है। पहले एक युवती के साथ छह युवकों को बसखारी थाना क्षेत्र के हरैया बाईपास पर अर्धनग्न अवस्था में पकड़ा गया था। अब बेवाना थाना क्षेत्र के रसूलपुर दियरा सर्विस रोड पर कार में रंगरेलियां मना रहे एक युवती के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों घटनाओं में पकड़े गए ज्यादातर युवक और युवती पड़ोसी जिलों के हैं। एक युवती के साथ छह युवकों में एक बैंक कैशियर भी है। कार पर सपा का झंडा लगा था। हालांकि सपा ने कार सवारों से पल्ला झाड़ लिया है। बेवाना थानाध्यक्ष प्रेमचंद के अनुसार सोमवार की रात को जिले के बॉर्डर सहित अन्य संदिग्ध जगहों पर वाहन चेकिंग अभियान चल रहा था। रसूलपुर दियरा के पास महरुआ रोड पर एक संदिग्ध कार को पास जाकर देखा गया तो उसके अंदर का नजारा देखकर पुलिस भौचक्की रह गई। कार के अंदर एक युवती और दो युवक आपत्तिजनक स्थिति में एक दूसरे से लिपटे हुए थे। पुलिस ने तत्काल तीनों को कार से उतारने के बाद पूछताछ की।

पूछताछ के दौरान पता चला कि युवक दिलबाग सिंह और दूसरा अमनदीप सिंह है। दोनों लखनऊ के रहने वाले हैं। तलाशी के दौरान कार से तीन पैकेट आपत्तिजनक वस्तु, चार मोबाइल, 2600 रुपए नगद बरामद हुआ। कड़ाई से पूछताछ में तीनों ने देह व्यापार की बात कबूल की तो थानाध्यक्ष ने तत्काल सभी को हिरासत में लेकर देह व्यापार अधिनियम सहित अन्य आरोपों में मुकदमा पंजीकृत कराया गया और जेल भेज दिया गया है।

इससे पहले शुक्रवार की रात बसखारी थाना क्षेत्र के हरैया बाईपास पर वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने कार में एक युवती के साथ रंगरेलियां मनाते हुए बैंक कैशियर समेत छह युवकों को पकड़ा था। प्रभारी निरीक्षक सत कुमार सिंह के अनुसार बाईपास पर वाहनों की चेकिंग के दौरान एनएच 233 की तरफ से एक कार आती हुई दिखाई दी। मौके पर कार की सभी खिड़की खुली हुई थी। कार के अंदर से कामुक तरीके की आवाज आ रही थी। इस पर पुलिस ने कार को रोक लिया। कार के रुकते ही अंदर का नजारा देखकर पुलिस दंग ररह गयी।

युवती और युवक अर्द्धनग्न अवस्था में एक दूसरे से लिपटे हुए थे। पुलिस ने तत्काल सभी लोगों को नीचे उतारा। पूछताछ में पता चला कि कार चालक शिवम यादव है। अन्य युवक सतीश कुमार, पवन, अमृतलाल, रितिक हैं। कार के भीतर से सात मोबाइल, 1710 रुपए और एक पॉलिथीन में 10 आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद हुईं। कड़ाई से पूछताछ के दौरान सभी लोगों ने देह व्यापार में संलिप्त होने की बात कबूल की।

सीवर लाइन बिछने के बाद बनेंगी बिछिया में सड़कें

संवाददाता–गोरखपुर। महापौर डॉ.मंगलेश श्रीवास्तव और नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने मंगलवार की सुबह बिछिया और शिव सिंह क्षेत्री वार्ड का निरीक्षण किया। जर्जर सड़कों की पार्षदों और नागरिकों की शिकायत पर नगर आयुक्त ने कहा कि बिछिया और शिव सिंह क्षेत्री वार्ड में सीवर लाइन बिछनी है, तब तक नई सड़कों का निर्माण नहीं किया जाएगा। निरीक्षण को पहुंचे महापौर और नगर आयुक्त के समक्ष सड़क, बिजली से लेकर सफाई व्यवस्था को लेकर शिकायत मिली। पार्षद चन्द्रभान प्रजापति ने ताड़ी खाना से हनुमान मंदिर की तरफ जाने वाली कीचड़सनी सड़क के निर्माण की बात कही तो नगर आयुक्त ने जवाब दिया कि सीवर लाइन का काम जल्द शुरू होने वाला है, उसके बाद ही सड़क निर्माण होगा। नगर आयुक्त में दिन में जल रही स्ट्रीट लाइट को लेकर पार्षद और सुपरवाइजर से समय से बंद करवाने की बात कही। स्ट्रीट लाइट के मांग पर नगर आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक वार्ड में दो हाईमास्क और दस नये प्वाइंट पर स्ट्रीट लाइट लगनी है। प्रस्ताव मिलते ही काम शुरू होगा। शिव सिंह क्षेत्री वार्ड में सफाई व्यवस्था को लेकर पार्षद ने बताया कि रोज 8 से 10 कर्मचारी गायब रहते हैं। नाम के साथ शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हो रही है। पार्षद राजेश कुमार ने रामलीला मैदान में टेंडर के बाद भी कन्वेंशन सेंटर का काम नहीं शुरू होने की शिकायत की। नागरिकों ने बिना पानी सप्लाई के जलकर आने की शिकायत की। जिसपर नगर आयुक्त ने आश्वासन दिया कि जल्द ही नगर निगम के बिल से जलकर हटा लिया जाएगा। इसका आदेश हो चुका है। महापौर डॉ.मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि नागरिकों से अपील है कि स्ट्रीट लाइट दिन में जलता हुए देखें तो तत्काल सूचना दें। सफाई व्यवस्था को लेकर खुद भी जागरूक होने की जरूरत है।

ब्रिटिश जमाने की नगर पालिका टांडा का होगा विस्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। पुरानी ब्रिटिश जमाने की नगर पालिका परिषद टांडा के बहुरने के दिन आ गए हैं। जल्द ही यह नगर पालिका परिषद अपने बृहद सीमा रेखा को छू लेगी। भाजपा श्रम प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक के प्रार्थना पत्र पर उत्तर प्रदेश शासन के अनु सचिव ने डीएम को सीमा विस्तार का प्रस्ताव तैयार कराकर शासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। नगर पालिका परिषद टांडा का गठन 148 वर्ष पूर्व ब्रिटिश शासनकाल में हुआ था जो जिले की ए–क्लास की नगरपालिका है। इसके साथ ही गठित नगर पालिका फैजाबाद आज नगर निगम का रूप धारण कर चुकी है। नगर पालिका परिषद टांडा की सीमा के छह किलोमीटर के दायरे में महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कालेज, एनटीपीसी, धागा मिल समेत अन्य संस्थान स्थित हैं। इनसे सटे हुए लगभग 65 ग्राम पंचायतों को यदि शामिल कर नगरपालिका परिषद टांडा का विस्तार किया जाय तो यह सभी संस्थान नगर पालिका की सीमा में होंगे और इनसे पालिका को काफी आय प्राप्त होगी। काफी समय से नगर पालिका परिषद टांडा की सीमा का विस्तार करने के लिए जनता द्वारा मांग की जाती रही है परन्तु बीते कुछ माह में भाजपा श्रम प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक प्रमोद गुप्ता द्वारा मुख्यमंत्री से लेकर नगर विकास मंत्री व अन्य लोगों से सीमा विस्तार पर चर्चा करते हुए बार–बार मांग पत्र दिया जा रहा था। बीते 26 जून को प्रमोद गुप्ता ने मुख्यमंत्री को नगर पालिका परिषद टांडा के सीमा विस्तार के सम्बन्ध में मांग पत्र दिया गया था जिसको मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया और समुचित कार्यवाही का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में बीते 17 सितम्बर को उत्तर प्रदेश शासन के अनु सचिव रविन्द्र सिंह ने डीएम को पत्र भेजकर नगर पालिका विस्तार के सम्बन्ध में जारी शासनादेश दिनांक 10 नवम्बर 2014 व 30 जनवरी 2015 के निर्धारण मापदंडोंध्मानकों के आलोक में नगर पालिका परिषद टांडा का सीमा विस्तार किए जाने विषयक परिपक्व प्रस्ताव अपनी संस्तुति सहित शासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। नगर पालिका परिषद टांडा की सीमा विस्तार के लिए शासन द्वारा पत्र जारी होने से ही नगर वासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

103 के बजाए हो गए 65 क्रय केंद्र, किसानों का लगाना होगा चक्कर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में एक नवंबर से होने वाली धान खरीद के लिए क्रय केंद्र चयनित कर लिया गया है। लेकिन इस बार किसानों को धान बेचने के लिए दौड़भाग करनी होगी। क्योंकि जिले में एकाएक 38 क्रय केंद्र कम कर दिए गए हैं। ऐसे में दूर केंद्र होने से किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। धान खरीद में करोड़ों का घोटाला उजागर होने के बाद क्रय केंद्रों में इतने बड़े पैमाने पर कमी गई है। ऐसा विभागीय लोगों में चर्चा है। क्योंकि इस मामले में केस दर्ज हुआ और छानबीन जारी है। दोबारा गड़बड़ी न हो इसलिए कटौती की गई है। ऐसा बताया जा रहा है।

किसानों को उनके उपज का वाजिब मूल्य मिल सके और वह आसानी से उपज को बेंच सके। इसके लिए सरकार क्रय केंद्रों को बेहतर बनाने के साथ ही तकनीकी सेवाओं से लैस कर रही है, जिससे खाद्यान्न माफियाओं का राज खत्म हो और किसानों को सीधे लाभ मिल सके। इसके बाद भी खरीद में गड़बड़ी के मामले में थम नहीं है। जिले में धान खरीद में करोड़ों का घोटाला उजागर हुआ था। केस दर्ज होने के साथ ही मामले की जांच चल रही है।

पोषण माह में मानव श्रृंखला बनाकर किया जागरूक

संवाददाता–गोरखपुर। बाल विकास विभाग द्वारा चलाए जा रहे पोषण माह के तहत मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी संजय कुमार मीणा ने नेतृत्व में मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को पोषण को लेकर जागरूक किया गया। तारामंडल से लेकर पैड़लेगंज तक यूनिवर्सिटी के छात्र–छात्राओं के साथ विभिन्न विभाग के कर्मचारियों ने मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को पोषण का संदेश दिया गया। मुख्य कार्यक्रम अधिकारी अभिनव मिश्रा ने बताया कि मानव श्रृंखला में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की छात्र–छात्राओं के साथ विभिन्न विभाग के कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

कम हुई भेड़ियों की गुर्राहट

संवाददाता–गोरखपुर। बहराइच से लाकर गोरखपुर चिड़ियाघर के रेस्क्यू सेंटर में रखे गए भेड़ियों के व्यवहार में अब परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। एक भेड़िए को तो तीन हफ्ते से ज्यादा समय हो गया है। उसकी गुर्राहट भी अब कम हो गई है। वहीं, दोनों भेड़ियो को बकरे के साथ ही मुर्गे के मीट में भी स्वाद आने लगा है। बहराइच से एक नर और एक मादा भेड़िए को रेस्क्यू कर शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान के रेस्क्यू सेंटर में रखा गया है। ये दोनों भेड़िए फिलहाल क्वारंटीन सेल में हैं। ऐसा कहा जा रहा था कि बहराइच में ये दोनों इंसानों पर हमलावर हुए थे। इसलिए पूरी तरह शांत होने तक इनको क्वारंटीन सेल में ही रखा जाएगा। यहां आने के बाद ये काफी शोर कर रहे थे। इसलिए वहां पर एक ही जू कीपर को हमेशा भेजा जा रहा था, ताकि वह उसको पहचान सकें। डॉक्टर भी कभी–कभी ही जा रहे थे। ज्यादा लोगों को देखकर वह आक्रामक हो सकते हैं। चिड़ियाघर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि भेड़िए अब जू कीपर को पहचानने लगे हैं। नाइट सेल में अब आवाजें कम निकाल रहे हैं। रोजाना डेढ़ से दो किलो मीट खा रहे हैं। पहले केवल बकरे का मीट खाते थे, लेकिन अब मुर्गे और अन्य जानवरों का मीट भी दिया जा रहा है। दोनों भरपेट भोजन कर रहे हैं। इनके व्यवहार में परिवर्तन आया है, लेकिन पूरी तरह शांत होने में अभी थोड़ा और वक्त लगेगा। उन्होंने बताया कि शुरुआत में ये काफी उग्र थे। भरपेट भोजन और एकांत वातावरण की वजह से धीरे–धीरे इनकी आक्रामक प्रवृति कम हो रही है।

जीवित को परिवार रजिस्टर में बना दिया मृतक

संवाददाता–संतकबीरनगर। सेमरियावां ब्लॉक के पिपरा हंकार निवासी एक महिला ब्लॉक मुख्यालय पर पहुंचकर परिवार रजिस्टर की नकल लिया। नकल में खुद को मृतक देखकर दंग रह गई। जीवित होने के सबूत के बाद भी रजिस्टर पर जीवित नही हो पाई। इसको लेकर महिला व उसका परिवार परेशान है। पिपरा हंकार निवासी अन्नी पत्नी सैयद अली अपने छोटे बेटे खुर्शीद को लेकर परिवार रजिस्टर की नकल लेने गई थी। परिवार रजिस्टर के पेज नम्बर 75 पर परिवार का नाम दर्ज है। महिला ने बताया कि परिवार रजिस्टर में 30 वर्ष पहले मृतक हो चुके सास, ससुर व अन्य लोग अभी जीवित दर्ज हैं। जब कि मै अभी जिन्दा हूं इस के बाद भी मुझे परिवार रजस्टिर में मृतक घोषित कर दिया गया है। महिला का पुत्र खुर्शीद ने बताया कि गांव में तैनात सचिव से कहा कि यह मेरी मां हैं, जो अभी जीवित हैं। रजिस्टर में जीवित दर्ज कर नकल दिया जाए। मगर सचिव ने एक नही सुनी । मेरी मां को मृतक घोषित कर दिया। इससे पूरा परिवार दंग है और सचिव के लापरवाही के चलते हम लोग इसको लेकर काफी पेरशान हैं।

पिपरा हंकार निवासी अन्नी ने बताया कि मेरे पति की मृत्यु एक अप्रैल 2023 को हो गई है। मेरी सूचना पर मेरे पति सैयद अली का आनलाइन मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया गया है। प्रमाण पत्र जारी होने के बाद भी पति का नाम परिवार रजिस्टर में जीवित दिखाया जा रहा है। मृत्यु के बाद भी पति को परिवार रजिस्टर में जीवित दर्ज किया गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– /2023
धारा 116 उ0प्र0रा0सं02006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

गुलाम नवी आदि
बनाम
मो0 उमर आदि

ग्राम पररसिया तप्पा असनार परगना बस्ती पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
1. मो0 उमर 2. मो0 नसीम पुत्रगण रफीउल्लाह 3. गुलाम हुसेन पुत्र कुतबुल्लाह 4. हकीमुल्लाह पुत्र अताउल्लाह उर्फ घिराऊ 5. इनामुल्लाह 6. नईमुल्लाह पुत्रगण अहमद अली 7. गुलाम रसूल 8. मो0 सफी 9. गुलाम गौस पुत्रगण जियाउल्लाह साकिनान मौजा पररसिया तप्पा असनार परगना बस्ती पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 26–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

फरार चार पशु तस्करों पर इनाम घोषित किया

संवाददाता–गोरखपुर। फरार चल रहे चार पशु तस्करों के गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने इनाम घोषित कर दिया। बांसगांव थाने में दर्ज केस में फरार उरुवा बाजार के कोटिया निवासी दीपू पर 25 हजार रुपये, गीडा थाने में दर्ज केस में फरार मुरादाबाद के तारिक नगर निवासी मोहम्मद यासीन, हरपुर बुदहट थाने में दर्ज केस में फरार गोपलगंज निवासी मुश्ताक और तिवारीपुर में दर्ज केस में फरार शाहिद पर 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। एसएसपी ने इनाम घोषित कर गिरफ्तारी का निर्देश दिया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– कायमी
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार महोदय बस्ती जिला–बस्ती

विनय कुमार आदि
बनाम
विन्ध्वासनी आदि

1. श्रीमती विन्देश्वरी बेवा सूर्य प्रकाश 2. कुमारी जुही पाण्डे पुत्र सूर्यप्रकाश साकिनान मौजा डड़वाकला तप्पा बासखोर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 24 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला बस्ती

किशुन
बनाम
तमेसर आदि

1. तमेसर 2. रमेसर 3. रामबवली 4. चन्द्रबली पुत्रगण छोटकू 5. शशांकशेखर 6. अनिल 7. सुनील पुत्रगण महादेव 8. रामभवन पुत्र राजकुमार 9. सूर्यप्रकाश 10. विजय प्रकाश 11. चन्द्र प्रकाश 12. संयज कुमार 13. धर्मप्रकाश पुत्रगण राजाराम साकिनान मौजा महुआ मिश्र तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–09–2024

अपील बनराजी आदेश अदालत स0च0अ0 (आर) मुकाम बस्ती मयरिखा 15 महीना 01 सन् 1979 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 20 माह 09 सन 204 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 117/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

शरदचन्द्र
बनाम
श्रीमती धनावती आदि

1. श्रीमती धनावती पत्नी अशर्फीलाल 2. श्रीमती मीरा देवी पत्नी खजान्ची साकिनान मौजा गायघाट तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 3. श्रीमती रेखा पत्नी शंकर विठोवा मौजा केवटलिया तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 4. बाढ़ू पुत्र फिरतू मौजा हरखौलिया उर्फ मरवटिया तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

5. धीरेन्द्र सिंह पुत्र हरिहर निवासी मौजा गौरा रोहारी तप्पा जगरनाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 06–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 1351/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

कामता प्रसाद
बनाम
रूक्मणी देवी आदि

1. रूक्मणी देवी पत्नी विजय कुमार साकिन बस्ती खास पठान टोला पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती पो0 पुरानी बस्ती

तारीख पेशी 08–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

टैक्स अधिवक्ताओं ने काली पट्टी बांध जताया विरोध

संवाददाता–गोरखपुर।। उत्तर प्रदेश टैक्स बार एसोसिएशन वाराणसी के निर्देशानुसार गोरखपुर के टैक्स बार एसोसिएशन के सदस्यों ने एक पत्रक एडिशनल कमिश्नर ग्रेड 2 अपील को दिया। दोनों अपील अधिकारियों को सौंपे गए ज्ञापन में कार्यपालिका द्वारा न्यायपालिका की स्वतंत्रता एवं न्यायिक अनुशासन में हस्तक्षेप के मुद्दे को उठाया गया है। इस दौरान अधिवक्ताओं ने विरोध में बाह में काली पट्टी बांधी। अधिवक्ता मुंह पर मास्क लगाकर मौन रहे। इस दौरान इम्तियाज अब्बासी, दिलीप रस्तोगी, नासिर, विवेकानंद मिश्रा, अहमर रिजवी, तालिब रिजवी आदि मौजूद रहे।

समितियों के डिजिटल होने से किसानों की सुविधाएं बढ़ेगी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले की साधन सहकारियों को डिजिटल बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इससे समिति के कर्मचारियों व किसानों को सुविधाएं मिलने में आसानी होगी। एक क्लिक पर पूरा ब्यौरा सामने आ जाएगा। प्रथम चरण में जिले की 15 समितियों को चुना गया है। इसके बाद दूसरे और तीसरे चरण में अन्य समितियों का डिजिटलाइजेशन होगा। केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय ने समिति के कार्यों में अभूतपूर्व सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाएं हैं। लम्बे समय से बंद समितियों को चालू करा दिया गया है। साथ ही कई समितियों को जनसेवा केन्द्र संचाालन की जिम्मेदारी दी गई है। जनपद में कुल 106 समितियां हैं जिनमें मौजूदा समय में सिर्फ 93 सिमितियां सक्रिय हैं। पहले चरण में 15 समितियों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। दूसरे चरण में 17 समितियों को लिया जाएगा। तीसरे चरण में शेष बची सभी समितियों को डिजिटल किया जाएगा। सभी समितियों पर बिजली व अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

ये समितियां बैंक की तरह कार्य करेंगी। खाद बिक्री की उपलब्धता की जानकारी एक क्लिक पर हो जाएगी। पहले चरण की चयनित समितियांरू पहले चरण में चंदनपुर, ताराखुर्द, सुमेरपुर, बहोरिकपुर, डोमनेपुर, जलालपुर, बड़ागांव, किशुनपुर कबिरहा, परशुरामपुर, बड़ागांव, खजुरी करौंदी, रेवई, नेवादा कला, चितवाई, दाउदचक, बसहिया व कोटसराय का चयन किया गया है। चयनित इन समितियों पर सुविधाएं बढ़ाई जा रही है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com